

गैर-सरकारी गैर-वित्तीय सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के वित्त, वर्ष 2014-15*

चुनिंदा गैर-सरकारी गैर-वित्तीय सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के सकल परिणामों से पता चलता है कि वर्ष 2014-15 में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है। लेकिन, सकल मूल्य योजित (जीवीए) वृद्धि में 2014-15 में मामूली सुधार हुआ है। खनन, बिजली और निर्माण क्षेत्र को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में 2014-15 में परिचालन लाभ में बेहतरी पैदा हुई है। कंपनियों के लीवरेज में धीरे-धीरे वृद्धि होती जा रही है और ब्याज कवरेज अनुपात स्थिर बने हुए हैं। कंपनियों द्वारा बाहरी स्रोतों से धन जुटाने में गिरावट दर्ज की गई है। अचल आस्तियों के निर्माण में लगाए गए धन का हिस्सा अधिक था जबकि गैर-चालू निवेश में धन कम लगाया गया था।

इस आलेख में 16,923 गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएफ) सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के वर्ष 2014-15 के वित्तीय निष्पादन प्रस्तुत किए गए हैं जो उनके लेखा परीक्षित वार्षिक लेखाबंदी अप्रैल 2014 से मार्च 2015 पर आधारित हैं। इस अध्ययन में 2012-13 से लेकर 2014-15 तक की अवधि के डाटा का विश्लेषण किया गया है। विस्तृत डाटा रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर मार्च 2016 में उपलब्ध करा दिया गया है। चुनिंदा 16,923 कंपनियों के बारे में जारी किए गए अद्यतन डाटा में समस्त एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के 31 मार्च 2015 की स्थिति को कुल संख्या की चुकता-पूजी (पीयूसी) (कंपनी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी गई अनंतिम जानकारी) 29.5 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। इन चुनिंदा कंपनियों में से 16587 कंपनियों के आंकड़े कंपनी कार्य मंत्रालय (एनसीए) की प्रणाली [एक्सबीआरएल और गैर-एक्सबीआरएल (फार्म एओसी-4)] पर आधारित हैं तथा 336 कंपनियों के संबंध में आंकड़े अन्य स्रोतों से प्राप्त किए गए हैं।

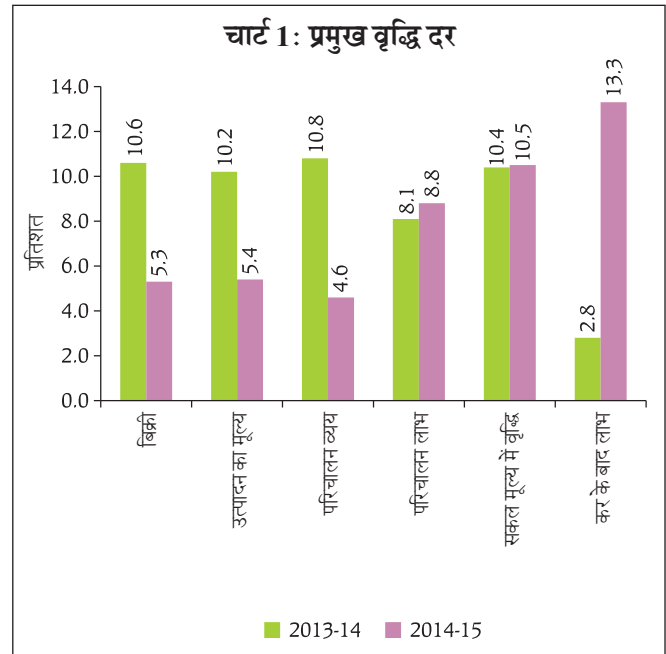
* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई के कंपनी वित्त प्रभाग (सीएफडी) में तैयार किया गया। पिछले वर्ष के अध्ययन के संदर्भ के लिए अप्रैल 2015 का बुलेटिन देखा जा सकता है।

1. बिक्री में वृद्धि घटी और परिचालन व्यय में तीव्र गिरावट के कारण जीवीए वृद्धि में मामूली सुधार हुआ

1.1 चुनिंदा कंपनियों की बिक्री में वृद्धि पिछले वर्ष के मुकाबले 2014-15 में आधी हो गई। परिचालन व्यय में तीव्र गिरावट का अधिकांश कारण कच्चे माल की कीमतों का कम होना रहा है। चूंकि व्यय में गिरावट बिक्री की तुलना में अधिक तीव्र दर से थी, इसलिए चुनिंदा कंपनियों का निष्पादन परिचालन लाभ की दृष्टि से बेहतर था। वर्ष 2014-15 में निवल लाभ में भी तीव्र वृद्धि हुई थी (विवरण 1 और चार्ट 1)।

1.2 बिक्री के प्रतिशत के रूप में यदि प्रमुख व्यय के हिस्से को देखें तो पता चलता है कि बिक्री की तुलना में कच्चे माल की लागत अध्ययन अवधि अर्थात् 2012-13 से 2014-15 के दौरान धीरे-धीरे कम होती गई है। बिक्री की तुलना में स्टाफ-लागत का अनुपात तथा बिक्री की तुलना में ब्याज व्यय का अनुपात इस अवधि के दौरान धीरे-धीरे बढ़ता रहा है (सारणी 1)।

1.3 बिक्री के आकार के वर्गीकरण¹ के आधार पर यह पाया गया कि बड़ी कंपनियों (जिनकी बिक्री 10 बिलियन ₹ से अधिक है) ने अधिक परिचालन लाभ एवं निवल लाभ में वृद्धि दर्ज की है बावजूद इसके कि बिक्री में वृद्धि मंद गति से थी। इसके विपरीत, छोटी कंपनियों (जिनकी



¹ बिक्री-आकार का वर्गीकरण कंपनियों के वर्तमान वर्ष 2014-15 की बिक्री पर आधारित है।

सारणी 1 : प्रमुख मदों का बिक्री की तुलना में हिस्सा

(प्रतिशत)

मद	2012-13	2013-14	2014-15
कच्चा माल	53.1	51.9	50.1
स्टाफ लागत	7.3	7.8	8.3
ब्याज व्यय	3.6	3.9	4.1
अन्य आय	2.9	2.9	3.6

बिक्री 1 बिलियन ₹ से कम है) ने तथा उन कंपनियों ने जिनकी बिक्री 5 से 10 बिलियन ₹ के बीच थी, उनकी बिक्री वृद्धि में सुधार हुआ है किंतु 2014-15 में निवल लाभ घटा है। जिन कंपनियों की बिक्री 1 बिलियन से 5 बिलियन ₹ के बीच थी उनके निवल लाभ लगातार दो वर्ष तक घटते रहे हैं, हालांकि वर्ष 2013-14 की तुलना में 2014-15 में घटने की दर कम थी (विवरण 1)।

1.4 कुछ चुनिंदा कंपनियों के सकल मूल्य योजन (जीवीए) में मामूली वृद्धि 2014-15 में हुई है। लेकिन 5 से 10 बिलियन ₹ के बिक्री आकार की कंपनियों के जीवीए में अत्यधिक वृद्धि हुई थी (सारणी 2)।

1.5 खनन क्षेत्र की कंपनियों के निष्पादन सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं क्योंकि इन कंपनियों की 2014-15 में बिक्री परिचालन लाभ तथा निवल लाभ में गिरावट हुई है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की कंपनियों के निष्पादन सकल स्तर के अनुरूप थे। निर्माण क्षेत्र में 2014-15 में बिक्री में तथा लाभ में वृद्धि दर्ज की है। विद्युत क्षेत्र की कंपनियों ने बिक्री वृद्धि में तीव्र गिरावट दर्ज की जिसकी वजह से 2014-15 में परिचालन लाभ में गिरावट हुई है (विवरण 1)।

1.6 विनिर्माण क्षेत्र के प्रमुख उद्योगों में 'सीमेंट' तथा 'मोटर वाहन' की बिक्री एवं लाभ वृद्धि में बहाली पैदा हुई है बावजूद इसके कि 2014-15 में उनके व्यय में अधिक वृद्धि हुई थी। 'सूती वस्त्र' उद्योग

सारणी 2 : चुनिंदा 16923 सार्वजनिक लिमि. कंपनियों के सकल मूल्य-योजन में वृद्धि की दर

(प्रतिशत)

बिक्री श्रेणीवार	2013-14	2014-15
₹ 1 बिलियन से कम	14.7	10.7
₹ 1 - ₹ 5 बिलियन	10.9	10.5
₹ 5 - ₹ 10 बिलियन	8.5	14.8
₹ 10 बिलियन से अधिक	10.3	10.2
कुल	10.4	10.5

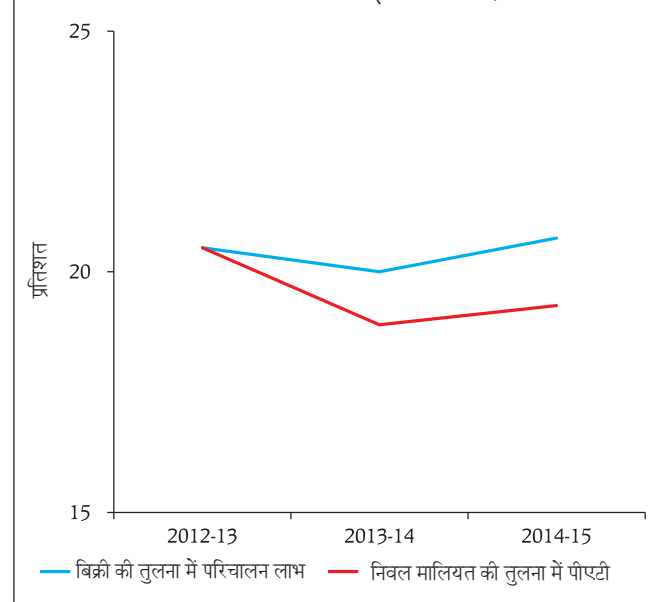
का निष्पादन अत्यधिक खराब था हालांकि तब भी सकारात्मक था, क्योंकि इन कंपनियों के कुल उधार में वृद्धि धीमी पड़ गई थी।

1.7 सेवा क्षेत्र के अंतर्गत 'परिवहन और भंडारण' तथा कंप्यूटर और संबद्ध गतिविधियां' के उद्योगों में बिक्री वृद्धि में बहाली पैदा हुई। लेकिन उनके व्यय में भी तीव्र वृद्धि हुई थी जिसके कारण उनका निवल लाभ घट गया था। दूरसंचार उद्योग की 2014-15 में बिक्री में वृद्धि तथा लाभ-वृद्धि कमजोर रहीं। भू-संपदा उद्योग में लाभ-वृद्धि में बहाली के संकेत दिखाई दिए थे, किंतु उसकी परिसंपत्तियों की वृद्धि धीमी पड़ गई थी।

2. परिचालन लाभ मार्जिन तथा इक्विटी पर प्रतिलाभ में सुधार हुआ

2.1 परिचालनगत लाभ मार्जिन (बिक्री के प्रतिशत की तुलना में परिचालन लाभ) में 2014-15 में 20.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी 2012-13 में 20.5 प्रतिशत से घटकर 2013-14 में 20 प्रतिशत हो गया था। इक्विटी पर प्रतिलाभ (निवल मालियत की तुलना में सीएटी) में भी वही प्रवृत्ति थी। इक्विटी की तुलना में कुल उधार का अनुपात 2014-15 में बढ़ गया था और कुल उधार की वृद्धि में धीमापन आ गया था (विवरण 2)।

2.2 समस्त बिक्री-आकार समूह में परिचालन लाभ मार्जिन में सुधार पाया गया था (विवरण 2)। इक्विटी पर प्रतिलाभ केवल

चार्ट 2 : लाभ-मार्जिन और इक्विटी पर प्रतिफल

बड़ी कंपनियों (10 बिलियन ₹ और अधिक बिक्री) के मामले में बेहतर हुए थे जबकि अन्य समस्त बिक्री आकार के समूहों के मामले में घट गए थे। छोटी कंपनियों में इक्विटी के अनुपात की तुलना में कुल उधार में वृद्धि हुई थी जबकि अन्य समस्त बिक्री आकार समूह में सुधार हुआ था (विवरण 2)।

2.3 खनन क्षेत्र का लाभ 2014-15 में भी और घट गया था। विनिर्माण क्षेत्र की लाभप्रदता एक समान बनी रही, साथ ही उसके इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार में सुधार हुआ था। विद्युत क्षेत्र में इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार में उच्च एवं सतत वृद्धि दर्ज की गई। निर्माण क्षेत्र बहुत धीमा था हालांकि इसके कुल इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार पिछले वर्ष बढ़ जाने के बाद गिरावट रही साथ ही इक्विटी पर प्रतिलाभ बढ़ते क्रम में था (विवरण 2)।

2.4 2014-15 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र के प्रमुख उद्योगों में, खाद्यान्न उत्पाद उद्योग ने बेहतर लाभ दर्ज किया था, परिचालन लाभ मार्जिन तथा इक्विटी पर प्रतिलाभ दोनों रूप से सीमेंट उद्योग में भी पूर्व वर्ष में गिरावट के बाद लाभप्रदता बेहतर हुई है। लोहा और इस्पात उद्योग में लाभ मार्जिन अनुपात कम रहा तथा इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार अधिक रहा। सेवा क्षेत्र की कंपनियों में, परिवहन उद्योग में इक्विटी पर प्रतिलाभ लगातार घटता रहा किंतु लाभ मार्जिन में निरंतर सुधार हुआ था। भू-संपदा उद्योग में इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार 2012-13 तथा 2013-14 में समान रहा। कंप्यूटर और संबद्ध सेवा उद्योग में लाभप्रदता पिछले वर्ष जोर पकड़ने के बाद 2014-15 में धीमी पड़ गई।

3. कुल आस्तियों में धीमी दर से वृद्धि हुई है

3.1 चुनिंदा कंपनियों की कुल आस्तियों में 2013-14 की तुलना में 2014-15 में वृद्धि धीमी थी (12.9 प्रतिशत से घटकर 9.6 प्रतिशत)। यही प्रवृत्ति सभी बिक्री-आकार समूह तथा सभी प्रमुख क्षेत्रों में भी देखी गई है (विवरण 1)। खनन क्षेत्र की कुल आस्तियों की वृद्धि में तीव्र गिरावट पाई गई है। हालांकि विनिर्माण क्षेत्र के कुछ घटक उद्योगों जैसे 'रसायन और रसायन उत्पाद' फार्मास्युटिकल और औषधि' तथा 'सीमेंट और सीमेंट उत्पाद' में पिछले वर्ष की तुलना में 2014-15 में कुल आस्तियों की वृद्धि में जबरदस्त

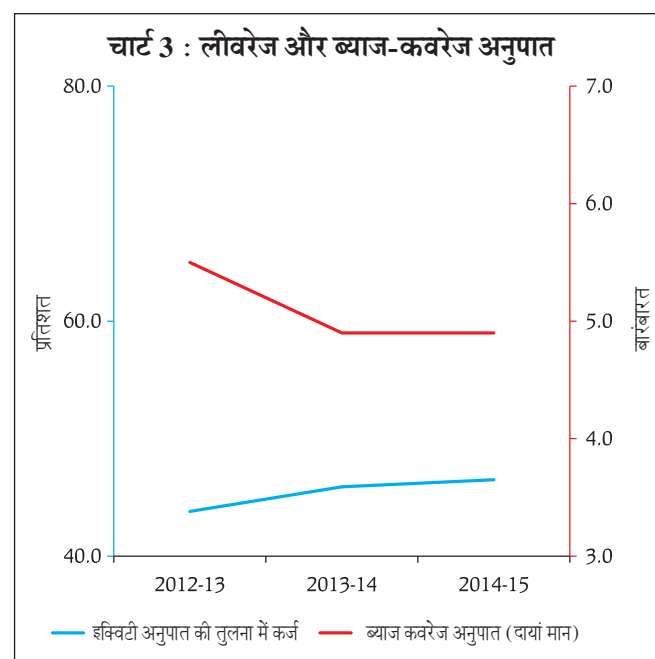
उछाल दर्ज किया गया है। सेवा क्षेत्र में परिवहन एवं भंडारण उद्योग में भी कुल आस्तियों की वृद्धि में बढ़ोतरी नज़र आई है।

4. लीवरेज अनुपात में धीरे-धीरे वृद्धि तथा ब्याज कवरेज अनुपात संतुलित बना रहा

4.1 लीवरेज जिसकी माप इस प्रकार की जाती है कि कर्ज दीर्घकालिक उधार, इक्विटी निवल मालियत का कितना प्रतिशत है, इसमें वर्ष 2012-13 से 2014-15 तक धीरे-धीरे वृद्धि हुई है। कंपनियों के इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार घट गया है। ब्याज कवरेज अनुपात (जिसकी माप ब्याज व्यय अनुपात की तुलना में ईबीआईटी से की जाती है) जो कंपनी की कर्ज चुकाने की क्षमता दर्शाता है, पिछले वर्ष घट गया था लेकिन 2014-15 में स्थिर बना रहा (चार्ट 3)।

4.2 छोटी कंपनियों (जिनकी बिक्री 1 बिलियन ₹ से कम है) के इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार लगातार बढ़ा है जो 2012-13 में 97.2 प्रतिशत से बढ़कर 2014-15 में 128.3 प्रतिशत हो गया था (विवरण 2)।

4.3 खंड स्तर पर, विनिर्माण क्षेत्र और उसके प्रमुख घटक उद्योग (सीमेंट और सीमेंट उत्पाद को छोड़कर) में इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार 2013-14 के मुकाबले 2014-15 में बढ़ गया था। अध्ययन अवधि के दौरान बिजली क्षेत्र इक्विटी अनुपात की तुलना में उच्च और बढ़ते हुए कुल उधार के प्रति प्रभावित था। सेवा



सारणी 3 : लीवरेज श्रेणी के अनुसार कंपनियों के कुल उधार में दीर्घकालिक उधार का हिस्सा						
लीवरेज श्रेणी (प्रतिशत)	कुल उधार में दीर्घकालिक उधार का हिस्सा			कुल उधार में बैंक उधार का हिस्सा		
	2012-13	2013-14	2014-15	2012-13	2013-14	2014-15
0-100	60.4	58.4	61.9	56.1	51.4	49.2
100-200	84.3	78.7	76.3	63.2	58.8	55.9
200-300	83.9	85.3	87.1	60.0	61.7	64.5
300-400	89.4	91.5	91.0	60.1	57.9	59.0
400 से अधिक	89.7	85.7	84.1	56.0	58.1	55.0
निवल मलियत < 0	71.0	61.2	55.4	43.9	34.6	33.2
कुल	70.5	68.4	70.2	56.6	53.3	51.5

क्षेत्र में इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार लगातार घटता गया है (विवरण 2)।

4.4 वर्ष 2014-15 में कंपनियों के कुल उधार का तकरीबन 70 प्रतिशत दीर्घकालिक उधार था जिसमें बैंक से लिए गए उधार का हिस्सा अधिक (50 प्रतिशत से अधिक) था। लेकिन, समय के बीतने के साथ बैंक से उधार लेने का हिस्सा घटता गया। विभिन्न लीवरेज श्रेणियों में कुल उधार में दीर्घकालिक उधार (कर्ज) के हिस्से के वितरण से पता चलता है कि जिन कंपनियों का लीवरेज अनुपात बहुत ज्यादा है (400 प्रतिशत से अधिक) उनके कुल उधार में 55 प्रतिशत हिस्सा बैंक से उधार का था। हानि वाली कंपनियों (जिनकी निवल मलियत शून्य से भी कम थी) के कुल उधार में बैंक से उधार का हिस्सा 33.2 प्रतिशत था (सारणी 3)।

4.5 वर्ष 2014-15 में 9.1 प्रतिशत कंपनियों के लीवरेज अनुपात 200 प्रतिशत से अधिक थे और आईसीआर एक से कम या निवल मलियत ऋणात्मक थी। चुनिंदा 16923 कंपनियों में से ऐसी कंपनियों का कुल बैंक उधार में हिस्सा 21.8 प्रतिशत था (सारणी 4)।

सारणी 4 : चुनिंदा 16923 कंपनियों में से एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों का हिस्सा जिनके लीवरेज अनुपात ≥ 200 है और आईसीआर $< 1^*$ हैं

(प्रतिशत)

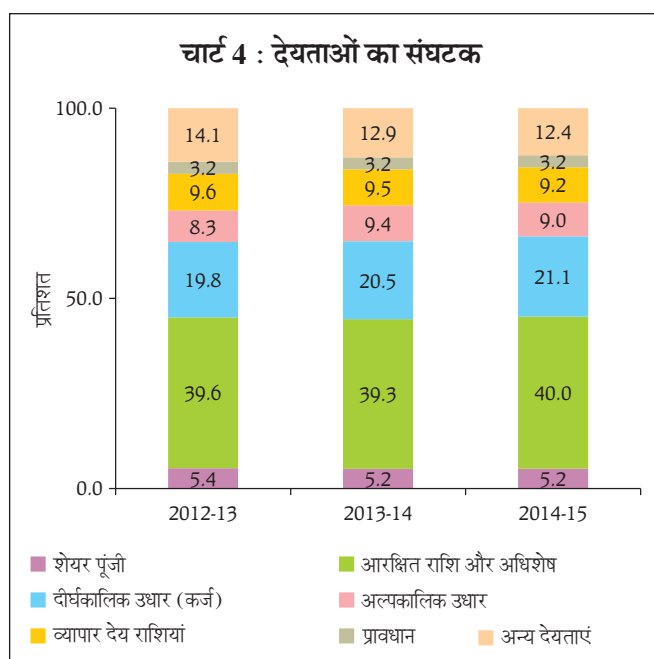
वर्ष	कंपनियों का हिस्सा	चुनिंदा 16923 कंपनियों के कुल उधार में दीर्घकालिक उधार का हिस्सा	चुनिंदा 16923 कंपनियों के कुल बैंक उधार का हिस्सा
2012-13	8.7	15.2	17.8
2013-14	8.6	14.4	18.2
2014-15	9.1	16.8	21.8

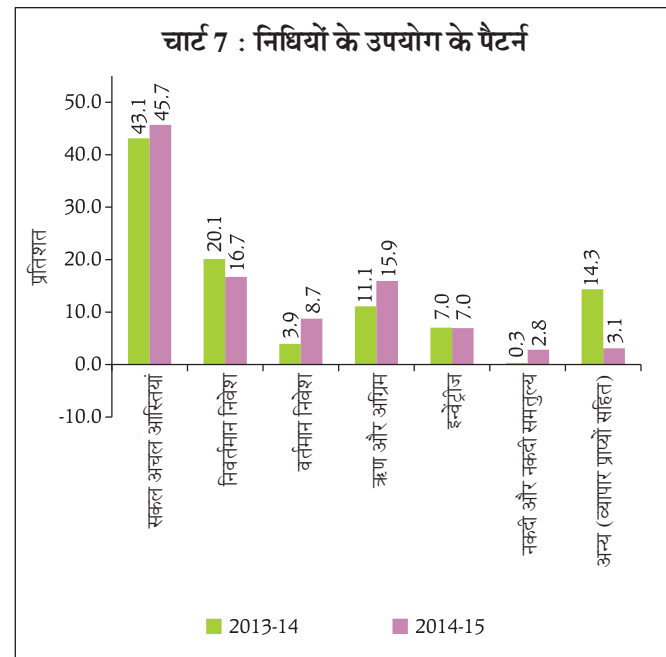
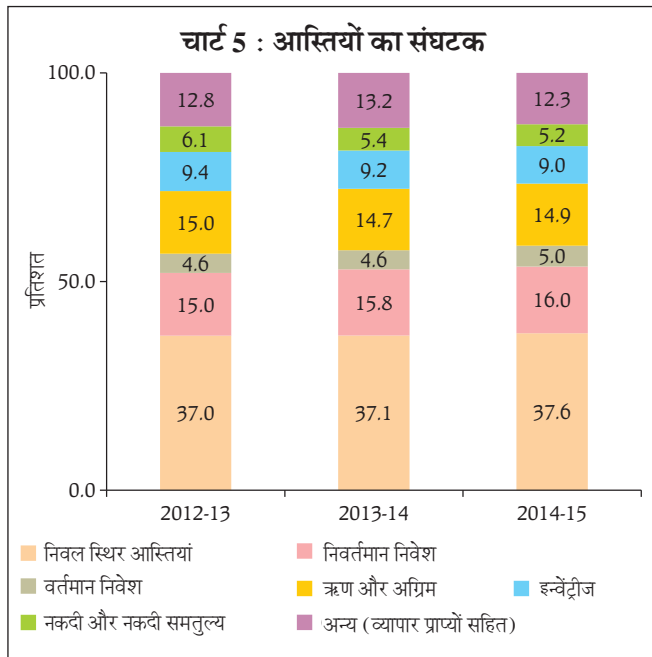
* : ऐसी कंपनियां भी शामिल हैं जिनकी निवल मलियत ऋणात्मक है।

5. बाहरी स्रोतों से जुटाए गए धन के हिस्से में कमी हुई है

5.1 तीन वर्ष की अध्ययन अवधि अर्थात् 2012-13 से 2014-15 के दौरान चुनिंदा कंपनियों की देयताओं में 'दीर्घकालिक उधार' का हिस्सा लगातार बढ़ता रहा है। 'आरक्षित राशि और अधिशेष' के अंतर्गत उनके हिस्से में पिछले साल गिरावट के बाद 2014-15 में सुधार पाया गया है (विवरण 3ए और चार्ट 4) आस्ति पक्ष में, इन्वेंट्री का हिस्सा धीरे-धीरे घटा है जबकि निवर्तमान निवेश बढ़ा है (विवरण 3 बी और चार्ट 5)।

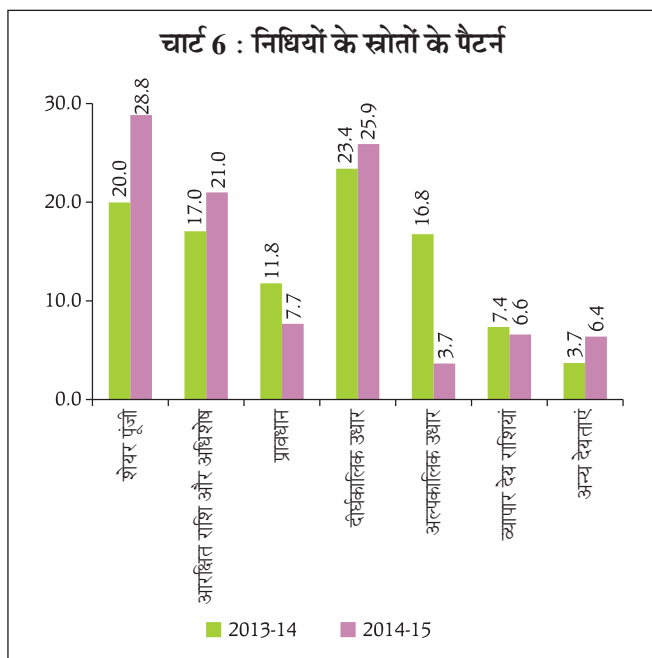
5.2 वर्ष 2014-15 के दौरान जुटाई गई निधि में, अल्पकाल के बजाय दीर्घकालिक धन को वरीयता दी गई थी। अल्पावधि उधार में पिछले वर्ष के मुकाबले 2014-15 में उनके हिस्से में तेजी से





गिरावट पाई गई थी। इसके फलस्वरूप बाहरी स्रोतों (अर्थात् कंपनियों के अपने स्रोतों के अलावा) के माध्यम से जुटाए गए धन का हिस्सा कम होता गया। आंतरिक स्रोतों में प्रावधानों (मूल्यहास प्रावधान सहित) का हिस्सा घट गया था जबकि आरक्षित राशि और अधिशेष का हिस्सा बढ़ गया था क्योंकि 2014-15 में लाभ बढ़ गए थे (विवरण 4 ए, चार्ट 6)।

5.3 निधियों के इस्तेमाल में 2014-15 में सकल अचल आस्त-निर्माण के हिस्से में वृद्धि हुई थी जिसका मुख्य कारण मूर्त आस्तियों में निवेश अधिक किया गया था (अर्थात् 2013-14 के 38.8 प्रतिशत की तुलना में 2014-15 में 41.1 प्रतिशत)। निवर्तमान निवेश में लगाई गई निधि का हिस्सा 2013-14 के 20.1 प्रतिशत से घटकर 2014-15 में 16.7 प्रतिशत हो गया था। लेकिन, वर्ष 2014-15 में वर्तमान निवेश और ऋण एवं अग्रिमों के हिस्से में वृद्धि हुई थी। नई नकदी जिसे 'नकदी और नकदी समतुल्य' के रूप में रखा गया था उसके हिस्से में 2014-15 में वृद्धि हुई थी (पिछले वर्ष के 0.3 प्रतिशत हिस्से की तुलना में 2.8 प्रतिशत) (विवरण 4 बी, चार्ट 7)।



6. निष्कर्ष

चुनिंदा एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के 2014-15 के सकल परिणामों से पता चलता है कि बिक्री वृद्धि में धीमापन था किंतु, सकल मूल्य योजित वृद्धि में मामूली सुधार हुआ था। फलस्वरूप 2014-15 में चुनिंदा कंपनियों की लाभप्रदता में भी सुधार हुआ था। अध्ययन अवधि के दौरान चुनिंदा कंपनियों के लीवरेज अनुपात में धीरे-धीरे वृद्धि हुई थी जबकि ब्याज कवरेज अनुपात स्थिर बना रहा। पिछले वर्ष की तुलना में अचल आस्तियों के निर्माण के लिए उपयोग की गई निधि का हिस्सा अधिक था जबकि निवर्तमान नये निवेश के लिए उपयोग निधि का हिस्सा कम था।

विवरण 1 : चुनिंदा 16923 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा पैरामीटरों की वृद्धि दर								
	वृद्धि दर							
	बिक्री		परिचालन व्यय		परिचालन लाभ		निवल लाभ (पीएटी)	
	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15
सकल (समस्त कंपनियां)	10.6	5.3	10.8	4.6	8.1	8.8	2.8	13.3
बिक्री-वार								
1 बिलियन रुपये से कम	0.3	4.2	0.3	3.3	16.9	10.8	39.5	-18.4
1 बिलियन रुपये से 5 बिलियन रुपये	8.1	6.4	6.7	6.0	12.1	8.3	-11.8	-8.3
5 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये	8.7	9.5	8.2	7.4	7.6	15.7	7.7	-0.5
10 बिलियन रुपये और उससे अधिक	11.5	5.1	12.0	4.3	7.8	8.5	2.7	14.8
उद्योगवार								
खनन और उत्खनन	84.6	-0.8	154.4	4.4	9.1	-19.4	11.0	-64.4
विनिर्माण	9.0	4.6	8.6	3.7	8.9	9.7	3.5	15.5
खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ	13.7	7.6	16.7	2.6	11.8	15.3	3.3	20.1
सूती वस्त्र	9.3	-11.7	9.1	-13.6	2.6	0.6	4.2	1.1
रसायन और रसायन उत्पाद	13.3	13.9	13.2	14.9	9.7	14.4	-8.9	30.0
फार्मास्युटिकल्स और औषधि	15.6	18.4	19.9	16.9	3.4	29.6	-22.1	53.4
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	0.2	9.7	2.8	9.1	-6.5	12.3	1.4	12.0
लोहा और इस्पात	14.8	1.4	12.6	5.8	18.1	-4.5	8.0	11.8
मशीनरी और उपकरण एन.ई.सी.	4.0	9.8	3.7	10.3	2.9	11.8	-3.5	25.2
विद्युत मशीनरी और उपस्कर	8.5	12.4	8.1	10.7	8.8	21.3	0.5	42.1
मोटर वाहन और परिवहन उपकरण	-4.5	16.2	-5.5	16.2	-1.1	26.3	-7.7	12.2
बिजली, गैस, बाष्प और वातानुकूलन आपूर्ति	26.7	9.4	16.8	15.1	97.3	-18.0	#	#
निर्माण	4.8	7.9	5.5	7.6	2.8	3.8	10.6	26.8
सेवाएं	10.2	7.0	10.5	5.9	7.6	10.1	5.7	21.9
परिवहन और भंडारण	-5.1	5.0	-11.6	6.2	7.2	5.6	11.6	-0.6
दूर संचार	47.0	12.3	46.9	15.6	49.2	3.3	94.0	34.5
भू-संपदा	7.2	6.0	1.1	0.5	-8.0	14.8	13.1	37.8
कंप्यूटर और संबद्ध गतिविधियां	4.3	12.1	0.9	12.4	30.6	8.0	88.3	-10.0

: गुणांक ऋणात्मक, शून्य वा नगण्य

विवरण 1 : चुनिंदा 16923 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा पैरामीटरों की वृद्धि दर (समाप्त)						
	वृद्धि दर					
	निवल मालियत		कुल उधार		कुल निवल आस्तियां	
	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15
सकल (समस्त कंपनियां)	11.6	11.3	20.3	9.9	12.9	9.6
बिक्री-वार						
1 बिलियन रुपये से कम	8.2	6.1	26.3	19.9	12.5	11.3
1 बिलियन रुपये से 5 बिलियन रुपये	6.5	10.8	16.1	9.5	10.0	8.0
5 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये	10.2	14.3	20.9	14.1	13.9	9.7
10 बिलियन रुपये और उससे अधिक	12.5	11.7	19.4	7.2	13.3	9.4
उद्योगवार						
खनन और उत्खनन	38.7	4.3	120.4	4.0	64.2	1.2
विनिर्माण	10.5	12.3	19.5	4.6	11.5	10.1
खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ	2.9	5.7	15.6	-6.2	9.4	4.7
सूती वस्त्र	9.3	8.9	36.9	2.7	14.0	7.2
रसायन और रसायन उत्पाद	8.0	25.2	5.5	11.2	9.8	19.8
फार्मास्युटिकल्स और औषधि	10.6	40.1	17.4	36.8	14.1	36.7
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	8.5	8.4	6.9	16.5	5.4	11.2
लोहा और इस्पात	9.6	7.0	21.4	5.2	11.2	6.9
मशीनरी और उपकरण एन.ई.सी.	8.5	11.0	8.0	-7.6	7.0	5.7
विद्युत मशीनरी और उपस्कर	8.5	9.9	13.6	5.3	10.6	8.4
मोटर वाहन और परिवहन उपकरण	10.6	11.0	6.5	-30.8	7.6	7.1
बिजली, गैस, बाष्प और वातानुकूलन आपूर्ति	11.1	5.6	19.6	21.6	13.9	10.7
निर्माण	3.4	11.9	10.3	5.1	8.8	7.0
सेवाएं	12.4	12.1	16.9	15.1	11.6	10.7
परिवहन और भंडारण	25.1	16.6	15.8	18.0	12.5	13.0
दूर संचार	12.9	19.2	9.7	-4.5	13.8	9.1
भू-संपदा	9.3	4.1	8.1	15.8	5.6	0.6
कंप्यूटर और संबद्ध गतिविधियां	-2.1	30.8	88.7	12.9	16.7	12.5

विवरण 2 : चुनिंदा 16923 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा पैरामीटरों के अनुपात									
	अनुपात								
	बिक्री की तुलना में परिचालन लाभ			निवल मालियत की तुलना में कर के बाद में लाभ (पैट)			इक्विटी की तुलना में कुल उधार		
	2012-13	2013-14	2014-15	2012-13	2013-14	2014-15	2012-13	2013-14	2014-15
सकल (समस्त कंपनियां)	20.5	20.0	20.7	20.5	18.9	19.3	62.2	67.1	66.3
बिक्री-वार									
1 बिलियन रुपये से कम	9.5	11.1	11.8	1.8	2.3	1.8	97.2	113.5	128.3
1 बिलियन रुपये से 5 बिलियन रुपये	12.3	12.7	13.0	7.9	6.6	5.4	76.9	83.9	83.0
5 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये	16.9	16.7	17.7	12.0	11.7	10.2	67.1	73.6	73.5
10 बिलियन रुपये और उससे अधिक	22.0	21.2	21.9	24.7	22.6	23.2	56.0	59.4	57.0
उद्योगवार									
खनन और उत्खनन	48.9	28.9	23.5	16.1	12.9	4.4	39.1	62.1	61.9
विनिर्माण	19.1	19.1	20.0	25.1	23.5	24.1	46.5	50.2	46.8
खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ	16.7	16.5	17.7	58.3	58.5	66.4	82.2	92.3	81.9
सूती वस्त्र	12.0	11.2	12.8	17.2	16.4	15.2	42.1	52.7	49.7
रसायन और रसायन उत्पाद	24.0	23.3	23.4	30.1	25.4	26.4	40.2	39.3	34.9
फार्मास्युटिकल्स और औषधि	26.8	24.0	26.3	31.9	22.5	24.6	27.3	29.0	28.3
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	40.6	37.9	38.8	44.2	41.3	42.7	35.4	34.9	37.5
लोहा और इस्पात	19.3	19.9	18.7	12.7	12.5	13.1	72.7	80.6	79.2
मशीनरी और उपकरण एन.ई.सी.	16.1	15.9	16.2	24.2	21.5	24.3	32.8	32.6	27.2
विद्युत मशीनरी और उपकरण	15.6	15.7	16.9	12.8	11.8	15.3	79.1	82.8	79.4
मोटर वाहन और परिवहन उपकरण	15.3	15.9	17.3	35.0	29.2	29.5	28.5	27.5	17.1
बिजली, गैस, बाष्प और वातानुकूलन आपूर्ति	10.3	16.1	12.1	-3.0	0.9	-10.4	136.4	146.8	168.9
निर्माण	22.6	22.1	21.3	5.1	5.5	6.2	126.3	134.7	126.5
सेवाएं	22.9	22.3	23.0	20.4	19.2	20.9	68.6	71.3	73.2
परिवहन और भंडारण	26.8	30.3	30.5	20.5	18.3	15.6	113.1	104.7	106.0
दूर संचार	27.9	28.3	26.0	9.9	16.9	19.1	52.5	51.0	40.9
भू-संपदा	29.1	25.0	27.1	3.5	3.6	4.7	64.8	64.0	71.2
कंप्यूटर और संबद्ध गतिविधियां	12.6	15.8	15.2	14.7	28.3	19.5	177.9	#	#

: गुणांक ऋणात्मक, शून्य वा नगण्य

विवरण 3 : चुनिंदा 16923 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों की देयता और आस्तियों का संयोजन			
(प्रतिशत)			
ए. देयताओं का संयोजन			
पूंजी और देयताएं	2012-13	2013-14	2014-15
1. शेयर धारकों की निधि	45.0	44.5	45.2
जिसमें से, (i) शेयर पूंजी	5.4	5.2	5.2
(ii) आरक्षित और अधिशेष	39.6	39.3	40.0
जिसमें से, पूंजी आरक्षित	21.5	22.1	22.5
2. दीर्घकालिक उधार (कर्ज)	19.8	20.5	21.1
जिसमें से, (i) बांड/डिबेंचर्स	1.6	1.7	2.3
(ii) बैंकों से मीयादी ऋण	12.2	13.2	13.2
3. अल्पकालिक उधार	8.3	9.4	9.0
जिसमें से, बैंकों से	3.7	2.7	2.3
4. कारोबारी देय	9.6	9.5	9.2
5. प्रावधान	3.2	3.2	3.2
6. अन्य देयताएं	14.0	12.9	12.3
(i) गैर-चालू	3.5	2.9	2.6
(ii) चालू	10.5	10.0	9.7
7. कुल	100.0	100.0	100.0
बी. आस्तियों का संयोजन			
आस्तियां	2012-13	2013-14	2014-15
1. सकल स्थिर आस्तियां	40.6	41.4	42.0
(i) पूर्ण आस्तियां	34.9	35.8	36.5
(ii) प्रगति पर पूंजीगत कार्य	3.9	3.6	3.4
(iii) अपूर्ण आस्तियां	1.3	1.2	1.6
2. मूल्यहास (i) मूर्त	3.3	4.0	4.1
(ii) अमूर्त	0.2	0.3	0.3
3. निवल स्थिर आस्तियां	37.0	37.1	37.6
4. गैर-चालू निवेश	15.0	15.8	16.0
5. चालू निवेश	4.6	4.6	5.0
6. ऋण और अग्रिम	15.0	14.7	14.9
7. इन्वेन्ट्री	9.4	9.2	9.0
8. कारोबारी प्राप्य	9.0	8.6	8.4
9. नकदी और नकदी समतुल्य	6.1	5.4	5.2
10. अन्य आस्तियां	3.8	4.6	3.9
(i) गैर-चालू	1.2	1.6	1.2
(ii) चालू	2.7	3.0	2.7
11. कुल	100.0	100.0	100.0

विवरण 4 : चुनिंदा 16,923 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों की निधियों के स्रोतों का संयोजन और उनका उपयोग

(प्रतिशत)

ए. वर्ष के दौरान निधियों के स्रोतों का संयोजन

	2013-14	2014-15
आंतरिक स्रोत (स्वयं के स्रोत)	32.3	33.9
1. चुकता पूंजी	3.5	5.3
2. आरक्षित और अधिशेष	17.0	21.0
3. प्रावधान	11.8	7.7
जिसमें से, मूल्य-हास	8.9	4.7
बाह्य स्रोत (स्वयं से इतर स्रोत)	67.7	66.1
4. शेयर पूंजी और प्रीमियम	16.5	23.6
5. दीर्घकालिक उधार	23.4	25.9
जिसमें से, (i) बांड/डिबेंचर्स	2.3	8.9
(ii) बैंकों से	19.3	12.0
6. अल्पकालिक उधार	16.8	3.7
जिसमें से, बैंकों से	-4.3	-2.1
7. कारोबारी देय	7.4	6.6
8. अन्य देयताएं	3.7	6.4
(i) गैर-चालू	-1.9	0.1
(ii) चालू	5.6	6.3
9. कुल	100.0	100.0

बी. वर्ष के दौरान निधियों के उपयोग का संयोजन

	2013-14	2014-15
1. सकल स्थिर आस्तियां	43.1	45.7
(i) मूर्त आस्तियां	38.8	41.1
(ii) प्रगति पर पूंजीगत कार्य	0.5	1.5
(iii) अमूर्त आस्तियां	3.8	3.0
2. गैर-चालू निवेश	20.1	16.7
3. चालू निवेश	3.9	8.7
4. ऋण और अग्रिम	11.1	15.9
5. इन्वेन्ट्री	7.0	7.0
6. कारोबारी प्राप्य	5.0	5.6
7. नकदी और नकदी समतुल्य	0.3	2.8
8. अन्य आस्तियां	9.4	-2.5
(i) गैर-चालू	4.7	-2.5
(ii) चालू	4.7	0.0
9. कुल	100.0	100.0